Title: Need to curb increasing air pollution in the country

श्री सत्यदेव पचौरी (कानपुर): मैं सरकार का ध्यान भारत में निरंतर गिरती जा रही वायु गुणवत्ता की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । यदि वायु प्रदूषण के प्रति हमारी उदासीनता और संवेदनहीनता इसी प्रकार बनी रही, तो भविष्य में स्थिति अत्यंत विकराल रूप धारण कर सकती है ।

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या कितनी गंभीर है इसका अंदाजा सरकार इसी बात से लगा सकती हैं कि विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा जारी मानक के अनुसार भारत की 130 करोड़ आबादी दूषित हवा में सांस ले रही है । देश में वायु प्रदूषण का जो स्तर है वो एक आम भारतीय से उसके जीवन के औसतन करीब 5.9 वर्ष छीन रहा है । अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं का कहना है कि हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों ने भारत में शिशु मृत्यु दर के इजाफे में भी योगदान दिया है । यह भयावह स्थिति मेरे संसदीय क्षेत्र कानपुर, जो कि एक औद्योगिक नगर है, में भी विकराल रूप ले सकती है । सरकार द्वारा नि:संदेह इलेक्ट्रिक वेहिकल चलाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाये गए है । मैंने अपने क्षेत्र कानपुर नगर में 8 महत्वपूर्ण स्थलों पर IIT Kanpur द्वारा विकसित कम लागत वाले प्रदूषण सेंसर लगवाए, परन्तु वायु प्रदूषण के विरुद्ध इस लड़ाई में अभी भी हमें एक लम्बी दूरी तय करनी है । वायु प्रदूषण को दूर करने में हमारी विफलता जीवन के अधिकार से आम नागरिक को वंचित रखने के समान है । प्रदूषण अब सिर्फ शहरी समस्या नहीं है इसलिए ?राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम? के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी निगरानी केंद्र स्थापित किये जाने चाहिए, और इस कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए इसमें दंडात्मक कार्यवाई के प्रावधान जोड़े जाने चाहिए ।